मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 28, मुंबई, सोमवार, 8 मार्च, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

महाशिवरात्री पर
SPECIAL DISCOUNT
फराली पेटिस - ₹ 16/- ₹ 12/-
फलहारी चिवड़ा - ₹ 440/- ₹ 320/-
रसगुल्ला - ₹ 14/- ₹ 11/-
आलू चिप्स - ₹ 380/- ₹ 240/-
लस्सी - ₹ 39/- ₹ 35/-
Valid on: 10 & 11 March 2021
* Tel: 2889 9501 / 98208 99501
MM MITHAIWALA | MALAD (W)

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

राष्ट्रपति बोले, सामाजिक और आर्थिक मजबूती के लिए बहुत कुछ करना शेष

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने देश की महिलाओं को दी बधाई व शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को कहा कि देश में महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को और बेहतर बनाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

ममता बनर्जी का... मोदी को जवाब

ममता बोलीं- परिवर्तन बंगाल में नहीं, दिल्ली में होगा

संवाददाता/सिलिगुड़ी। कोलकाता में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली कुछ देर बाद पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सिलिगुड़ी में पदयात्रा निकाली। इसमें उन्होंने एलपीजी सिलेंडर की महंगी कीमतों के बहाने केंद्र सरकार और बीजेपी को घेरा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

बीजेपी वोट खरीदना चाहे तो पैसे ले लेना और टीएमसी को वोट देना

एलपीजी सिलेंडर की महंगी कीमतों के विरोध में ममता बनर्जी ने सिलिगुड़ी में पदयात्रा निकाली

महाराष्ट्र में फिर बढ़ रहा कोरोना का कहर

11,141 नए केस आए सामने, 38 की मौत

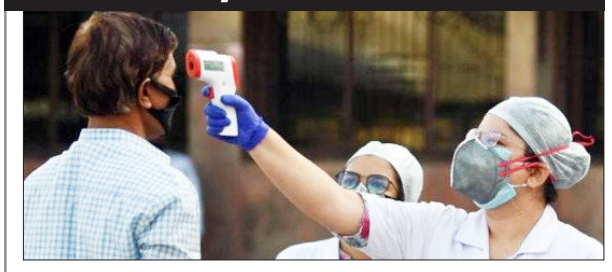

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में रविवार को कोरोना संक्रमण के 11,141 नए मामले सामने आए, जिससे संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 22,19,727 हो गए, जबकि इस बीमारी से 38 लोगों की मौत होने से राज्य में मृतकों की संख्या 52,478 हो गई। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी दी। राज्य में शुक्रवार और शनिवार को संक्रमण के क्रमशः 10,216 और 10,187 मामले सामने आए।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

राज्य में कोरोना रिकवरी रेट 93.17%, करीब 15 लाख लोगों को लगा कोरोना का टीका

28 मार्च को लॉन्च होगा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह

मजबूत होगी निगरानी व्यवस्था

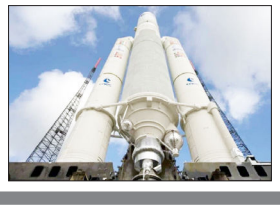

संवाददाता

बेंगलुरु। भारत 28 मार्च को पृथ्वी अवलोकन उपग्रह का प्रक्षेपण करेगा, जिससे उसे अपनी सीमाओं की वास्तविक समय की तस्वीरें मिलेगी। इससे प्राकृतिक आपदाओं की त्वरित निगरानी भी की जा सकेगी। जीसैट-1 आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से जीएसएलवी-एफ 10 के जरिये प्रक्षेपित किया जाएगा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

भोजन का अपमान

यह सूचना किसी दुख से कम नहीं कि हमारी दुनिया में 17 प्रतिशत भोजन घरों, रेस्तरां और दुकानों में बर्बाद चला जाता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की फूड वेस्ट इंडेक्स रिपोर्ट 2021 से पता चलता है कि कुछ भोजन खेतों पर ही, तो कुछ आपूर्ति के दौरान और एक बड़ा हिस्सा तैयार होने के बाद बर्बाद हो जाता है। कुल मिलाकर, एक तिहाई भोजन खाए जाने से रह जाता है। भोजन बर्बादी के ये आंकड़े बहुत मेहनत से जुटाए गए हैं, जिनका विश्लेषण हमें चौंकाता है और रुलाता भी है। संयुक्त राष्ट्र की एक कार्यकारी निदेशक इंगर एंडरसन कहती हैं कि 'अगर हम जलवायु परिवर्तन, प्रकृति, जैव विविधता के नुकसान और प्रदूषण, कचरे से निपटने के बारे में गंभीर होना चाहते हैं, तो दुनिया भर के व्यवसायों, सरकारों और नागरिकों को भोजन की बर्बादी को कम करने के लिए काम करना पड़ेगा।' अन्न-भोजन की बर्बादी ज्यादातर देशों में समस्याओं को जन्म दे रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी देशों में इस बर्बादी का स्तर आश्चर्यजनक रूप से समान है। न विकसित देशों के लोग आदर्श हैं और न गरीब देशों के लोग। भोजन की बर्बादी कोई ऐसा विषय नहीं है, जिसके बारे में किसी देश में लोग जानते न हों। परंपरागत रूप से दुनिया की ज्यादातर संस्कृतियों और समाजों में भोजन की बर्बादी रोकने के लिए लोगों को पाबंद किया गया है, लेकिन तब भी लोग सुधर नहीं रहे, कम से कम यह रिपोर्ट तो यही गवाही दे रही है। रिपोर्ट के विस्तार में जाएं, तो खुदरा दुकानों पर दो प्रतिशत, खाद्य सेवाओं के स्तर पर पांच प्रतिशत और रसोईघर में पहुंचने के बाद 11 प्रतिशत भोजन बेकार जाता है। मतलब सबसे ज्यादा सुधार की जरूरत हमारे रसोईघरों और थालियों में है। रिपोर्ट यह भी इशारा करती है कि भोजन की ऐसी बबार्दी से जलवायु परिवर्तन को भी बल मिलता है। वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का आठ से दस प्रतिशत भोजन की बबार्दी से जुड़ा है। बेशक, भोजन की बर्बादी कम करने से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती होगी। भूमि रूपांतरण और प्रदूषण के माध्यम से होने वाला प्रकृति का विनाश धीमा होगा। भोजन की उपलब्धता बढ़ेगी और इस तरह वैश्विक मंदी के समय भूख की समस्या घटेगी, साथ ही, पैसों की भी बचत होगी। दुनिया का सचेत होना इसलिए बहुत जरूरी है,क्योंकि 2019 में करीब 69 करोड़ लोग भूख से प्रभावित थे और तीन अरब लोग स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में अक्षम थे। यह स्वागतयोग्य है कि संयुक्त राष्ट्र के एक लक्ष्य में भोजन की बर्बादी को आधा करना भी शामिल है। इस मोर्चे पर भारत जैसे विशाल देश में तो विशेष पहल की जरूरत है। आम भारतीय घरों में एक-एक सदस्य साल भर में 50 किलो खाना बर्बाद कर देता है, जबकि भारत में एक बड़ी आबादी भूखे रहने को मजबूर है। यह देखना ज्यादा जरूरी है कि बर्बादी रोकने के लिए क्या और कितना किया जा रहा है? सामाजिक स्तर पर अपील के अलावा भोजन की बर्बादी रोकने के लिए कोई पुख्ता प्रबंध नहीं है। हां, भारत यह संतोष व्यक्त कर सकता है कि भोजन बर्बाद करने में अफगानिस्तान, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, मालदीव और बांग्लादेश की तुलना में वह बेहतर है। लेकिन जिस देश में अन्न-भोजन की पूजा होती हो, उसे देश में यथोचित सुधार के लिए नए संकल्प की जरूरत पड़ेगी।

जहां से चले वहीं पहुंचे मोदी !

बहुत खराब है। बहुत त्रासद है! कई मायनों में वैश्विक पैमाने पर हिंदू के लिए शर्मनाक! हिसाब से नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ को भी शर्मनाक फील करना चाहिए। याद करें नरेंद्र मोदी ने जब बतौर मुख्यमंत्री शपथ ली थी तो तुरंत बाद के गुजरात दंगों के बाद देश-दुनिया में उनको ले कर जो नैरेटिव, विमर्श, बहस, खबरें बनी थीं उसका क्या सार था? उन्हें विभाजक, नरसंहारक करार दिया गया था। ऐसा शोर करने वाले कौन थे? भारत में इंडिया टुडे ग्रुप से ले कर टाइम्स ग्रुप आदि तमाम वे मीडिया संस्थान जो आज मोदी भक्त और पालतू हैं। उधर दुनिया में तमाम आला वैश्विक मीडिया संस्थानों से ले कर अमेरिकी प्रशासन, ब्रिटेन, फ्रांस याकि दुनिया के सभ्य देशों में, उनके थिंक टैंकों में भी नरेंद्र मोदी खलनायक हुए। हां, गुजरात में हिंसा से शुरू हिंदू राजनीति के साथ अमेरिका, ब्रिटेन याकि दुनिया भर में नरेंद्र मोदी, आरएसएस के प्रति हर तरह की नकारात्मकता थी। ये ब्लैकलिस्टेड थे। अमेरिका ने मोदी को वीजा नहीं दिया। तभी सन् 2014 में लोकसभा चुनाव से पहले भी वैश्विक मीडिया की कवर स्टोरी से लेकर टीवी कवरेज सबमें निचोड़ था कि मोदी का प्रधानमंत्री बनना ठीक नहीं होगा। ऐसा होना भारत के लिए बुरा होगा। मोदी को प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहिए। वैश्विक नेताओं और अमेरिका, ब्रिटेन आदि के सभ्य लोकतांत्रिक देशों के सत्ता प्रतिष्ठानों में चिंता, कौतुक और दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की अनहोनी पर विस्मय के साथ आशंकाएं थीं। तब अपना लिखना था, यदि इस्लाम जनित परिस्थितियों से, अनुभव में हिंदू नई राजनीति, नए नेतृत्व में भारत राष्ट्र-राज्य का भला देख रहा है तो यह मोड, यह वक्त यदि नरेंद्र मोदी का मौका है और ऐसा न होने देने का तर्क बेतुका है। उलटे अभिनंदन होना चाहिए। अपना विश्वास है कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद अपने प्रति बनी धारणाओं को गलत साबित करेंगे। उनसे भारत का भला होगा। दुनिया में उनकी और हिंदुओं की नई इमेज बनेगी। 14 सालों से नरेंद्र मोदी को सांप्रदायिक, विभाजक, फासीवादी, तानाशाह आदि जो-जो कहा जाता रहा है वह उनके भारत नेतृत्व से गलत प्रमाणित होगा।

निःसंदेह तब बराक ओबामा से ले कर डेविड कैमरॉन, ओलांदे (फ्रांस), आबे (जापान), मर्केल (जर्मनी) आदि लोकतांत्रिक नेताओं ने भारत के जनादेश पर प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी को गले लगाया। वैश्विक मीडिया ने भी नरेंद्र मोदी से उम्मीद बनाई और वाशिंगटन, लंदन के मानवाधिकारी, एक्टिविस्टों, सेकुलरों याकि मोदी विरोधी कैंपेन करने वाली लॉबी हाशिए में चली गई। दुनिया भर में नरेंद्र मोदी का (भले भक्त हिंदू समर्थकों का प्रायोजित हो) स्वागत हुआ। मतलब मई 2014 से लेकर नवंबर 2016 में नोटबंदी की घोषणा तक विश्व राजधानियों में, वैश्विक मीडिया में यह स्वागत, यह कौतुक, यह भरोसा था कि वे नरेंद्र मोदी, हिंदू राजनीति, आरएसएस को ले कर जैसा सोचते थे, जैसा प्रचार था शायद उससे अलग अनुभव हो। मतलब नरेंद्र मोदी न विभाजक, न सांप्रदायिक-फासीवादी और न अलोकतांत्रिक! जाहिर है नरेंद्र मोदी के प्रति नजरिया खुले दिल वाला बदला हुआ था। बराक ओबामा, डेविड कैमरॉन भी उदार, सभ्य, विकासमान राष्ट्र के लिए प्रतिबद्ध नेता के रूप में मोदी को गले लगाते हुए थे! लेकिन आज, मार्च 2021 में नरेंद्र मोदी को लेकर अमेरिका के जो बाइडेन प्रशासन, अमेरिकी संसद में दोनों पार्टियों की मंजूरी से चलने वाले 'फ्रीडम हाउस' की रिपोर्ट में भारत पर क्या लिखा है? इसी सप्ताह लंदन की 'द इकोनॉमिस्ट' के ताजा अंक और पिछले अंक में भारत में लोकंतत्र, इंटरनेट आजादी, मीडिया-अभिव्यक्ति की आजादी, संस्थाओं-अदालत, लोगों की निजता, मानवाधिकारों पर क्या कुछ लिखा है? वह सब लिखा गया जो आजाद भारत के इतिहास में पहले कभी नहीं लिखा गया। कितना शर्मनाक है यह जानना कि अमेरिकी संसद और प्रशासन के लिए रिफरेंस वाले फ्रीडम हाउस संस्थान ने भारत को अब 'आंशिक लोकंतत्र' कैटेगरी में डाला है और इंटरनेट पांबदी में भारत दुनिया में नंबर एक पर है और उसके बाद यमन, इथियोपिया जैसे देश हैं! हिंदू भक्त भले न मानें और न यह समझें कि इस्लाम के खिलाफ अस्तित्व की लड़ाई में यहूदियों की भारी धार्मिकता व राष्ट्रीयता के बावजूद इजराइल लोकतंत्र, नागरिकों की आजादी में वैश्विक पताका से अमेरिका-यूरोपीय याकि सभ्य दुनिया से बेइंतहा समर्थन लिए हुए है, जबकि आरएसएस, हिंदू संगठनों और नरेंद्र मोदी ने सात साल के राज से अपने को भयावह बदनाम बना डाला है! 'द इकोनॉमिस्ट' पत्रिका ने पिछले सप्ताह नरेंद्र मोदी, गुरू गोलवलकर के विचार-तौर-तरीकों में हिटलर-नात्सीवाद का जिस अंदाज में रिफरेंस बनाया, उसका सीधा दो टूक अर्थ है कि न्यूयॉर्क टाइम्स, वाशिंगटन पोस्ट, गार्जियन से लेकर दुनिया के सभी सभ्य-विकसित लोकतांत्रिक देशों के मीडिया, थिंक टैंक, प्रशासन में इस्लाम, चाइनीज (जिस पर पिछले दो साल में नजरिया भारी बदला) के बाद हिंदू और हिंदू राजनीति पर विचार निगेटिव हुआ है। दुनिया की निगाह में नरेंद्र मोदी और उनका राज वैसे ही फिर बदनाम है जैसे बतौर गुजरात सीएम थे। आश्चर्य जो नरेंद्र मोदी, आरएसएस जान नहीं रहे कि उन्हें और हिंदुओं को लेकर सभ्य विश्व समाज में क्या धारणाएं पक रही हैं। मोदी भूल रहे हैं कि गुजरात के वक्त न उतना भूमंडलीकरण था और न वैश्विक एक्टिविस्टों, वैश्विक सोशल मीडिया का वह प्रभाव था जो आज है। आज यदि कोई विषय ट्रेंड होता है तो बहुत सघनता से इतना बदनाम बना डालता है कि पूरी कौम बदनाम होती है। जैसे कोरोना के बाद चीन या चाइनीज हुए या अमेरिका का अश्वेत आंदोलन वैश्विक हुआ। हां, किसान आंदोलन से, सन 2019 की दोबारा जीत के बाद से दुनिया में फिर यह स्थापित हो रहा है कि नरेंद्र मोदी, आरएसएस, हिंदू राजनीति वहीं है जो इस्लामी तानाशाह, संगठनों और देशों की राजनीति है। दुनिया के लिबरल, सभ्य लोकतांत्रिक समाज, ईसाई-यहूदी सभ्यता के देशों, थिंक टैंकों, वैश्विक एक्टिविस्टों में भारत की मौजूदा हिंदू राजनीति, हिंदू संगठन, हिंदू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार के प्रति भाव, मूल्यांकन दस तरह की निगेटिविटी लिए हुए हो गया है? और यह सब छोटीझटूच्ची बातों से है। मतलब दिशा रवि पर देशद्रोह, तापसी पन्नू के यहा आईटी छापे, ओटीटी-इंटरनेट पर पांबदी के बेतुके नियमों से लेकर किसान आंदोलन, बूढ़ों-नौजवानों को जेलों में डालने जैसी बातों ने दुनिया का भारत पर ऐसा फोकस बनवाया है कि जिधर देखो उधर बदनामी है। सवाल है क्या ये काम न करें तो मोदी के वोट कम हो जाएंगे, मोदी की कुर्सी खतरे में पड़ेगी? कतई नहीं! तब क्यों ऐसा? अपना जवाब पुराना है और वह यह है कि हर सरकार और उसकी राजनीति अपने पतन के बीज अपने जन्म से ही लिए हुए होती है! मैं सन 2016 के बाद से यह निष्कर्ष बार-बार लिखता आ रहा हूं कि हिंदू राजनीति को मोदी राज इतना बदनाम करके जाएगा, जिसकी कल्पना कभी किसी ने नहीं की होगी।

भारत का गौरव क्या चीन, पाक जैसी इमेज?

हां, पाकिस्तान व चीन दो ऐसे देश हैं, जिसे हिंदुवादी व भक्त लंगूरी हिंदू गाली देते हुए आह्वान करते हैं कि जागो हिंदुओं! दुनिया के सभ्य, लोकतांत्रिक देश, समाज, मीडिया, थिंक टैंक भी इन दो देशों को दुष्ट, तानाशाह, सांप्रदायिक, नस्ली, राक्षसी मानते हैं, समझते हैं और नफरत करते हैं। हां, ये देश राक्षसी प्रवृत्तियां लिए हुए हैं। मतलब तानाशाह हैं, मानवाधिकार हननकर्ता हैं, अदालत-मीडिया और संस्थाओं में वहीं होता है जो राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री चाहता है। चाहे जिसे जेल में डालो। चाहे जिस पर छापे, देशद्रोह, राजद्रोह, देश विरोधी, गद्दार का आरोप चस्पां करो! क्या मैं गलत लिख रहा हूं?जरा सोचें आजादी के बाद से हम दुनिया में किस एक बात से इतरात रहे हैं?जवाब है दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के जुमले पर! भारत के हर प्रधानमंत्री ने, नरेंद्र मोदी ने भी अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान, ऑस्ट्रेलिया जा कर वहां के नेताओं को हवाला दिया कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इसलिए हमारी दोस्ती, हमारा साझा, हमारा सामरिक साथ लोकंतत्र के साझे सफर से है। हमे तानाशाह चीन, इस्लामी कट्टरतावाद, आंतकी पाकिस्तान का मिल कर सामना करना है। ठीक विपरीत आज याकि अब अमेरिकी थिंकटैंक, प्रशासन की निगाह में भारत क्या है? 'लोकतंत्र' नहीं, बल्कि 'आंशिक लोकतंत्र'! नरेंद्र मोदी वाशिंगटन, लंदन, पेरिस, कैनबरा, टोक्यो, बर्लिन के अखबारों, मीडिया, टीवी चैनलों की राय में, निगाहों में क्या हैं? एक तानाशाह! ऐसे ही आरएसएस क्या है? एक सांप्रदायिक, हिटलर के नात्सीवाद, फासीवाद को फॉलो करने वाला हिंदू संगठन! कोई भक्त हिंदू कह सकता है कि पश्चिम की 'द इकोनॉमिस्ट' या' टाइम' पत्रिका या अखबारया फ्रीडम हाउस जैसे दुनिया की रैंकिंग करने वाले संस्थान, थिंक टैंक क्या लिखते हैं, क्या सोचते हैं इसकी हम हिंदुओं को परवाह नहीं करनी चाहिए। पर ऐसे ही तो पाकिस्तानी, चाइनीज, वहां की सरकारे सोचती हैं! पाकिस्तान को, इस्लामी संगठनों को परवाह नहीं है कि दुनिया उन्हें किस निगाह से जांचती और देखती है तो मोदी सरकार और आरएसएस भी क्या वैसी ही लापरवाही में अपना लंदन, वाशिंगटन में मूल्यांकन चाहते हैं?

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पिता और दादा की हत्या कर युवक ने छठवीं मंजिल से लगाई छलांग

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के उपनगर मुलुंड में डबल मर्डर का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां पिता और दादा की हत्या कर 20 वर्षीय युवक ने इमारत से छलांग लगाकर खुदकुशी कर ली। मुलुंड पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, शार्दुल मांगले मुलुंड (पश्चिम) के वसंत ऑस्कर स्थित ब्लिस इमारत में पिता और दादा के साथ छठवीं मंजिल के फ्लैट नंबर 604 में रहता था। शनिवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे शार्दुल ने पिता मिलिंद (55) और दादा सुरेश (85) पर चाकू से कई वार किए और फिर छठवीं मंजिल से छलांग लगा दी। घर के नौकर आंनद कांबले ने शार्दुल की हरकत को देख खुद को बाथरूम में बंद कर लिया था। मांगले के पड़ोसी प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, सुबह करीब पौने 9 बजे उसके घर की बेल

बजी और उसने भीतर का दरवाजा खोला, तो बाहर मिलिंद खून में लथपथ खड़ा था। वह सेफ्टी डोर खोलने वाला था, उसी समय उसने देखा कि हाथ में चाकू लिए शार्दुल उसके घर के सामने पहुंचा और उसने खून से लथपथ पिता पर कई वार किए। इसके बाद शार्दुल अंदर गया और दादा पर चाकू पर हमला किया। फिर घर से छलांग लगा दी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, घटना के समय घर में नौकर आंनद कांबले था। कांबले ने बताया है कि वह मिलिंद को कॉफी देकर रसोईघर में काम कर रहा था, उसी समय उसने मिलिंद की चीख सुनी और देखा कि शार्दुल चाकू से पिता पर वार कर रहा है। उसने दादा सुरेश को भी बाथरूम में बंद करना चाहा, लेकिन वह साथ नहीं आए। घटना कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को अग्रवाल अस्पताल भेजा।

8 साल पहले माता-पिता हो गए थे अलग: पुलिस के अनुसार, मिलिंद पत्नी से करीब 8 साल पहले अलग हो गए थे। पत्नी बेटी के साथ घाटकोपर में रहती है। बताया गया है कि शार्दुल मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं था और पहले नाना-नानी के साथ रहता था। लेकिन, वह उन्हें परेशान करता था, इसलिए पिता उसे अपने घर ले कर आ गए थे। पड़ोसियों के अनुसार माता-पिता के अलग होने के बाद से शार्दुल की दिमागी स्थिति खराब थी।

अंबानी के आवास के बाहर पाई गई कार को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया

मुंबई। उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के बाहर पिछले महीने मिली एक कार और जिलेटिन की छड़ों को मुंबई पुलिस ने फॉरेंसिक विश्लेषण के लिए भेज दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई के कलीना में स्थित फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) में कार की जांच की जाएगी जिससे उसमें मौजूद खून के धब्बा, बाल या अन्य कोई सुराग मिल सके। उन्होंने कहा कि जांच में मिले किसी भी साक्ष्य से कार को चलाकर अंबानी के घर तक ले जाने वाले और उसमें बैठे लोगों के बारे में पता चल

सकता है। अधिकारी ने कहा कि प्रयोगशाला की रिपोर्ट एक सप्ताह में आ जाएगी। एफएसएल के एक अधिकारी ने कहा कि प्रयोगशाला में इसका पता लगाया जाएगा कि छड़ों में जिलेटिन की मात्रा कितनी है। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों की सहायता से एफएसएल यह भी जानने की कोशिश करेगी कि क्या कार का चेसिस नंबर बदला भी गया था। इससे कार के असली मालिक और किसके नाम पर वाहन पंजीकृत था, इसका पता लगाने में मदद मिलेगी। अधिकारी ने कहा कि फॉरेंसिक प्रयोगशाला ने इस मामले को प्राथमिकता दी है और एक सप्ताह में रिपोर्ट सौंप दी जाएगी।

बच्ची के यौन उत्पीड़न के दोषी को पांच साल की कैद

मुंबई। मुंबई की विशेष पॉक्सो अदालत ने सात साल की बच्ची का यौन उत्पीड़न करने के दोषी 52 वर्षीय प्रौढ़ को पांच साल कैद की सजा सुनाई है। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि मामले की सुनवाई 23 दिसंबर को शुरू हुई और पांच मार्च को पूरी हुई। उसके बाद विशेष न्यायाधीश एम. ए. बरालिया ने व्यक्ति को भादंसं और बच्चों का यौन उत्पीड़न से संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत दोषी करार दिया। अधिकारी ने बताया कि व्यक्ति ने बच्ची को अपने घर बुलाया और उसे गलत तरीके से छुआ।

आयकर विभाग के छापे पर तापसी पन्नू ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई। अभिनेत्री तापसी पन्नू ने आयकर विभाग की छापेमारी पर शनिवार को चुप्पी तोड़ते हुए पेरिस में कथित बंगले, पांच करोड़ रुपये लेने के आरोप और 2013 में हुई छापेमारी के संबंध में तीन ट्वीट किए। आयकर विभाग ने तीन मार्च को पन्नू और फिल्मकार अनुराग कश्यप के घर तथा कार्यालयों की तलाशी ली थी। पन्नू ने ट्विटर पर तीन बिंदुओं का बयान लिखा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के उस बयान की आलोचना भी की जिसमें उन्होंने कहा था कि 2013 में भी पन्नू के घर पर

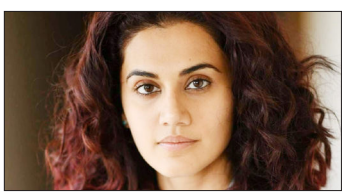

छापा पड़ा था। पहले ट्वीट में कहा गया, तीन दिन तक मुख्य रूप से तीन चीजों की तलाशी ली गई- कथित तौर पर पेरिस में मेरे बंगले की चाबियां। क्योंकि गर्मी की छुट्टियां आने वाली हैं। दूसरे ट्वीट में पन्नू ने कहा, पांच करोड़ रुपये की कथित रसीद जिसे फ्रेम कर भविष्य के लिए रखा जाएगा क्योंकि मैंने पहले उस पैसे को ठुकरा दिया था। तीसरे ट्वीट में वित्त मंत्री की आलोचना करते हुए पन्नू ने कहा, हमारी माननीय वित्त मंत्री सीतारमण के अनुसार 2013 में मुझ पर जो छापा डाला गया था... अब उतनी सस्ती नहीं है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

इस मौके पर राष्ट्रपति ने देश की महिलाओं को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सभी को महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और स्वतंत्रता के लिए लगातार काम करना होगा क्योंकि केवल ऐसा करने से ही हम महिलाओं, विशेषकर हमारी बेटियों को अधिक सक्रिय, सक्षम और सशक्त बनने का मार्ग प्रशस्त कर पाएंगे। महिलाएं हमारे परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए एक प्रेरणा हैं। वे सामाजिक संरचना का अनिवार्य आधार हैं। कोविंद ने कहा कि भारत में भी, महिलाओं ने जीवन के हर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। जीवन के सभी क्षेत्रों में विशिष्ट भूमिका के साथ, उन्होंने राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा, हालांकि, भारत में महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को और बेहतर बनाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। हम सभी को महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और स्वतंत्रता के लिए लगातार प्रयास करने होंगे क्योंकि ऐसा करने से ही हम महिलाओं, विशेषकर हमारी बेटियों, को अधिक सक्रिय, सक्षम और सशक्त बनने का मार्ग प्रशस्त कर पाएंगे।

दीदी का मोदी को जवाब

उन्होंने कहा कि भारत एक सिंडिकेट के बारे में जानता है। यह सिंडिकेट मोदी और अमित शाह का है। पीएम मोदी लोगों को गुमराह करने के लिए झूठ बोलते हैं। बंगाल के लोग बहुत खतरे में आ जाएंगे, अगर बीजेपी जैसी विभाजनकारी ताकत राज्य में सत्ता पर काबिज होती है। बीजेपी नेताओं के बार-बार 'खेला होबे' शब्द इस्तेमाल करने पर ममता ने उसी अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि खेला होबे। हम खेलने के लिए तैयार हैं। मैं वन-ऑन-वन खेलने के लिए तैयार हूं। अगर वे (बीजेपी) वोट खरीदना चाहते हैं, तो उनसे पैसे ले लें और टीएमसी को वोट दें। पोरीबोर्तन (परिवर्तन) दिल्ली में होगा, बंगाल में नहीं। उन्होंने (पीएम मोदी) कहा कि बंगाल में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं, लेकिन यूपी, बिहार और अन्य राज्यों को देखें। बंगाल में महिलाएं सुरक्षित हैं। ममता ने गुरुवार को विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम से उतरने का ऐलान किया। तृणमूल से बीजेपी में गए शुभेंदु अधिकारी नंदीग्राम से ही विधायक रह चुके हैं। बीजेपी ने उन्होंने यहीं से टिकट दी है। ऐसे में यह सीट बंगाल चुनाव में सबसे चर्चित हो गई है।

महाराष्ट्र में फिर बढ़ रहा कोरोना का कहर

विभाग ने कहा कि मुंबई शहर में दिन में 1,361 नए मामले आए। मुंबई में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 3,35,569 तक पहुंच गए, जबकि मृतकों की संख्या बढ़कर 11,504 हो गई। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, महाराष्ट्र में रविवार को 6,013 और लोगों को छुट्टी दे दी गई, जिससे राज्य में अब तक ठीक हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 20,68,044 हो गई।

28 मार्च को लॉन्च होगा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के एक अधिकारी ने रविवार को बताया, 'हम 28 मार्च को इस जियो इमेजिंग उपग्रह को प्रक्षेपित करना चाहते हैं, हालांकि यह मौसम की स्थितियों पर निर्भर करेगा।' यह उपग्रह 36,000 किलोमीटर की ऊंचाई वाली कक्षा में स्थापित किया जाएगा। जीएसएलवी-एफ 10 के जरिये जीसैट-1 का प्रक्षेपण तकनीकी कारणों के चलते स्थगित कर दिया गया था। इसका प्रक्षेपण पिछले साल पांच मार्च को होने वाला था। अंतरिक्ष विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'यह भारत के लिए कुछ मायने में महत्वपूर्ण साबित होने जा रहा है।' उन्होंने कहा, 'उच्च स्तर के कैमरों के साथ, इस उपग्रह से भारतीय जमीन और महासागरों, विशेष रूप से इसकी सीमाओं की निरंतर निगरानी की जा सकेगी।' यह प्राकृतिक आपदाओं और किसी भी अल्पकालिक घटनाओं की त्वरित निगरानी में मदद करेगा। इसरो ने कहा कि जीसैट-1 का वजन 2,268 किलोग्राम है और यह एक अत्याधुनिक पर्यवेक्षण उपग्रह है।

द ह्यूमन योगा फाउंडेशन के बढ़ते कदम

योग गुरु राधे श्याम ने किया ऐलान, अब पूरे भारत में होगा द ह्यूमन योगा फाउंडेशन का ब्रांच

दै. मुंबई हलचल के संपादक श्री दिलशाद खान के साथ योग गुरु श्री राधेश्याम

मुंबई। दैनिक मुंबई हलचल के कार्यालय में द ह्यूमन योगा फाउंडेशन के अध्यक्ष योग गुरु राधे श्याम ने बैठक बुलाई, जिसमें कोर कमेटी मेंबर में चर्चा का विषय रहा, आने वाली कार्यक्रम का आयोजन किस प्रकार होनी चाहिए। इसी बैठक में खास मुलाकात दै. मुंबई हलचल के संपादक श्री दिलशाद खान जी से राधेश्याम गुरु ने की। राधेश्याम गुरु दिलशाद खान जी को अपना खास मानते हैं जो भी नया कार्यक्रम का आयोजन करते हैं दिलशाद भाई से बातचीत करके उस कार्यक्रम का रूपरेखा समीकरण आगे कैसे किया जाए इस विषय पर बातचीत की, आने वाले कार्यक्रम युवाओं को कितना फायदा पहुंचाना चाहिए योग गुरु राधेश्याम जी ने इस बैठक में डॉक्टर ज्योत्सना सिंह डॉ अशोक, सोशल वर्कर शीला शर्मा जी, बख्तावर जी धर्मेंद्र सिंह जी हमारे युवाओं को किस तरीके से फायदा होना चाहिए उनकी रोजगार में क्या ऐसा काम करना चाहिए जिससे उनको आने वाले कल में बहुत फायदा हो इसी पर चर्चा का विषय रहा। योग गुरु राधेश्याम जायसवार द ह्यूमन योगा फाउंडेशन के माध्यम से पूरे भारत में योगा और खेल को लेकर चर्चा का विषय बनाया आज के मिशनरी योग में सभी लोगों को योगा करना एक्सरसाइज की जरूरत पड़ती है और हमारा जो खेल है अच्छे खिलाड़ी दबकर नीचे रह जाते हैं उनको कोई प्लेटफार्म नहीं मिलता योग गुरु ने कहा है युवाओं को आगे बढ़ाने का मौका अपनी फाउंडेशन देगी जिसकी ट्रेनिंग होगी ट्रेनिंग में जो बच्चा क्वालीफाई करेगा उस बच्चे को हमारी सेंट्रल गवर्नमेंट वेस्टर्न गवर्नमेंट में बच्चों को प्रधान मिलना चाहिए क्रीड़ा प्रबोधिनी और साईं स्पोर्ट्स कंपलेक्स में सभी बच्चों को उनके खेल के माध्यम से प्लेटफार्म द ह्यूमन योगा फाउंडेशन भी उनको इस काबिल बनाएगी उस संस्था में जाकर अपना और अपने भारत का नाम अपने खेल के माध्यम से करें और वह संस्था कोई और नहीं महाराष्ट्र में क्रीड़ा प्रबोधिनी है जो कि पुणे में स्थित 11 ब्रांच ला रही है सेंट्रल में साई हॉस्टल है जो स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया कांदिवली में हैं योग गुरु रानी साहब का कहना एकदम साफ है ऐसे बच्चों को उनके लक्ष को पहुंचाना उनकी फाउंडेशन के माध्यम से योगा शिविर ट्रेनिंग सभी खेल का प्रैक्टिस चलाया जा रहा है यही चर्चा का विषय रहा आधुनिक युग में योगा से लोग ठीक हो जा रहे हैं, तो द ह्यूमन योगा फाउंडेशन मे पढ़े लिखे लोगों को लेकर योगा टीचर बनाने का काम करेगी जिससे पूरे भारत में योग का प्रचार होगा और योग करने से लोग निरोग बनेंगे योगा टीचर ट्रेनिंग कोर्स करा कर उनको जॉब रोजगार ह्यूमन योगा फाउंडेशन देना चाहती है और जो बच्चे खेलकूद में ज्यादा आगे हैं उनको स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग और द ह्यूमन योगा फाउंडेशन के माध्यम से बच्चों का सिलेक्शन कैसे हो स्पोर्ट्स में उसकी ट्रेनिंग पूरे भारत में चलेगी जो काम करेगी जो बच्चा साथ फिजिकल एक्सरसाइज टेस्ट में पास हो जाता है उसको महाराष्ट्र में है तो पुणे में सिलेक्शन करवाया जाएगा और यदि बाहर है दूसरे स्टेट में है तो साईं स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया में करवाया जाएगा क्योंकि बच्चों का वहां पर रहना खाना पढ़ना लिखना और जो भारत को स्वर्ण पदक के लिए यह दोनों ही संस्था काम कर रही है क्रीड़ा प्रबोधिनी और साईं स्पोर्ट्स अथॉरिटी आप इंडिया द ह्यूमन योगा फाउंडेशन उस बच्चों को वहां तक पहुंचाने काम करेगी जिससे देश का नाम होगा गौरव बढ़ेगा और सपोर्ट के खिलाड़ी बढ़ेंगे और योगा में जो लोग ट्रेनिंग करेंगे टीचर बनेंगे उन को रोजगार मिलेगा इसी बैठक में यह सब सारी चर्चा हुई दिलशाद खान भाई ने योग गुरु राधे श्याम को हरदम आगे बढ़ाने का काम किया है इसलिए योग गुरु राधे श्याम आगे क्या काम करते हैं उनसे एक सलाह लेना बहुत जरूर समझते हैं और इस बैठक में मुख्य केंद्र दिलशाद खान जी थे जो मुंबई हलचल के संपादक है और डॉक्टर जोशना जो साइंटिस्ट है सोशल वर्कर शीला शर्मा जी बख्तावर जी धर्मेंद्र जी और डॉक्टर अशोक एडवोकेट हाईकोर्ट के हैं सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे हैं ऐसे शख्स जो योग गुरु राधे श्याम के साथ जुड़े हैं, उनके कामों में आगे बढ़ाने काम ऐसे सामाजिक सोशल वर्कर साथ में काम कर रहे हैं, और योग गुरु राधेश्याम ने अपनी टीम बनाई है, योगा टीचर की जिस में सर्वप्रथम सभी जो काम कर रहे हैं उनके नाम इस प्रकार हैं, योगा टीचर सुयोद शेट्टी, संजय सिंह दोनों ही जी जान से ह्यूमन योगा फाउंडेशन में काम कर रहे हैं। निलेश यादव, योगा टीचर संजय सिंह, योगा टीचर अमित जयसवार, योगा टीचर सचिन जयसवार, योगा टीचर अजय पासी, योगा टीचर सुनील भारती ह्यूमन योगा फाउंडेशन के टीम लीडर है सुनील भारती का बहुत बड़ा योगदान है फाउंडेशन को संभालने में अमित जी का भी सागर जी का और ब्रिगेडियर जो फाउंडेशन के सीनियर मेंबर हैं शुरू से ही काम कर रही है सना शेख बहुत पहले से फाउंडेशन में काम कर रहे हैं योगा टीचर के रूप में अनिल सोनकर जो एक सेलिब्रिटी योगा टीचर स्टंट मास्टर है योगा टीचर संस्कृति अनुराधा योगा टीचर के रूप में में जुड़े है ऐसे लोग लोग जो पूरे भारत को योग और फिटनेस सही मार्ग दिखा सकती है ऐसी जैसे योगा टीचर अर्चना जी योगा टीचर शिवम शर्मा योगा टीचर हर्षदा जाधव योगा टीचर सागर जी जो एक हेवर स्टाइलिश भी है गिरीश भाई सहभागी श्रीकांत जूही क्रिकेटर के कोर्स के रूप में काम कर रहे हैं ताइक्वांडो मास्टर अमर खोत सर महेंद्र जाधव, पिंकी सुनार योगा टीचर, खुशी गुप्ता योगा टीचर, गौरव सिंह यह सभी द ह्यूमन योगा फाउंडेशन के साथ जुड़े हैं और हरदम रहेंगे।

कोरोना ने फिर बढ़ाई चिंता

एक दिन में आए 18 हजार से ज्यादा नए मामले, रिकवरी दर भी घटी

■ नई दिल्ली (संवाददाता)।

देश के कुछ राज्यों में कोरोना संक्रमण में पिछले कुछ समय से अचानक फिर से आई तेजी के बीच सक्रिय मामले लगातार बढ़ रहे हैं।

लगातार तीन दिनों तक कोरोना संक्रमण से मरने वालों की संख्या 100 से कम दर्ज की गई लेकिन शुक्रवार को यह 113 दर्ज की गई और पिछले 24 घंटों के दौरान इस महामारी से 108 लोगों की मौत हुई है। इस अवधि में कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या अपेक्षाकृत कम रहने से सक्रिय मामले 3985 बढ़ गए हैं। इस बीच देश में अब तक एक करोड़ 94 लाख 97 हजार 704 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है।

■ 24 घंटे में 108 लोगों की मौत, सक्रिय मामले 3985 बढ़े

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 18,327 नए मामले सामने आए हैं, जिससे संक्रमितों की संख्या एक करोड़ 11 लाख 92 हजार से अधिक हो गई है। पिछले 24 घंटों में 14,234 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिसे मिलाकर अब तक एक करोड़ 8 लाख 54 हजार 128 लोग कोरोनामुक्त हो चुके हैं। सक्रिय मामले 3985 बढ़ने से 1.80 लाख से अधिक हो गए हैं। इसी अवधि में 108 मरीजों की मौत के साथ इस बीमारी से मरने वालों की संख्या एक लाख 57 हजार 656 हो गई है। देश में रिकवरी दर घटकर 96.98 रह गई है और सक्रिय मामलों की दर घटकर 1.61 प्रतिशत हो गई है, जबकि मृत्युदर अभी 1.40 फीसद है।

दिल्ली : घरों में क्वारंटीन मरीजों की संख्या 37 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली (एसएनबी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोविड के मामलों में वृद्धि होने से पिछले एक सप्ताह में घरों में क्वारंटीन (पृथकवास) रहने वालों की संख्या में 37 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। निषिद्ध क्षेत्र भी लगातार बढ़ रहे हैं।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण दर 27 फरवरी की 0.53 प्रतिशत से बढ़कर पांच मार्च को 3.36 प्रतिशत हो गई तथा निषिद्ध क्षेत्र भी 27 फरवरी के 545 से बढ़कर पांच मार्च को 591 हो गए। दिल्ली में शुक्रवार को कोरोना के 312 नए मामले सामने आये थे जो पिछले डेढ़ महीने में सर्वाधिक रोजाना मामले हैं। शुक्रवार को तीन मरीजों की मौत हो जाने से अब तक यहां 10,918 लोग इस संक्रमण से अपनी जान गंवा चुके हैं। वृहस्पतिवार को यहां कोरोना के 261 नए मरीजों का पता चला था। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक निषिद्ध क्षेत्र 556 हो गए तथा घरों में पृथकवास वाले मरीज बढ़कर 691 हो गए।

महाराष्ट्र, पंजाब में हर रोज बढ़ रही नए मरीजों की संख्या

सरकार हरकत में, केंद्रीय दल भेजा

नई दिल्ली (संवाददाता)। महाराष्ट्र और पंजाब में कोरोना संक्रमण के प्रतिदिन मामले तेजी से बढ़ने के बाद केंद्र सरकार ने उच्चस्तरीय जन स्वास्थ्य टीमों को इन राज्यों में भेजा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, इन टीमों को कोरोना संक्रमण की निगरानी, नियंत्रण आदि में राज्य स्वास्थ्य विभाग की सहायता के लिए भेजा जा रहा है।

■ महाराष्ट्र में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 90,055 हुई

महाराष्ट्र के लिए उच्चस्तरीय दल की अगुवाई एमओएचएफडब्ल्यू के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के वरिष्ठ सीएमओ पी रवीन्द्रन करेंगे। वहीं पंजाब के लिए जन स्वास्थ्य टीम की अगुवाई नई दिल्ली के राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के निदेशक डा. एसके सिंह करेंगे। मंत्रालय ने कहा, यह दल ऐसे इलाकों में जाएंगे जहां संक्रमण के मामले बहुत अधिक हैं और संक्रमण के मामले बढ़ने के कारणों का पता लगाएंगे।

मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक पंजाब में संक्रमण के 6,661 मामले उपचाराधीन हैं और महाराष्ट्र में उपचाराधीन मामलों की संख्या 90,055 है। ये दल मुख्य सचिव/सचिव (स्वास्थ्य) को जानकारी देंगे। साथ ही यह भी बताएंगे कि संबंधित राज्य स्वास्थ्य अधिकारियों को उपाय के तौर पर क्या कदम उठाने चाहिए। मंत्रालय ने कहा, केंद्र सरकार कोरोना संक्रमण को शिकस्त देने के लिए सरकार और समाज की पूरी भागीदारी वाले रूख के साथ कॉपरेटिव फेडरलिज्म की रणनीति के साथ मोर्चा संभाल रही है। संक्रमण से निपटने के राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रयासों को मजबूती देने के जारी प्रयासों के तहत सरकार समय समय पर राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों में केंद्रीय टीमें भेजती है।

देशमुख ने नक्सल-रोधी अभियान के लिए कमांडो इकाई की सराहना की

मुंबई। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने रविवार को नक्सलियों की हथियार बनाने की इकाई को नष्ट करने के अभियान को लेकर गढ़चिरौली पुलिस की सी-60 कमांडो इकाई की सराहना की। छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे इलाके में यह अभियान चार-पांच मार्च को चलाया गया जोकि करीब 48 घंटे चला। पुलिस ने बताया था कि गढ़चिरौली के भामरागढ़ तालुका के कोपारशी के जंगलों में चार-पांच मार्च को अभियान चलाया गया था और इस दौरान, छत्तीसगढ़ की सीमा के करीब पांच किलोमीटर अंदर माड इलाके में नक्सलियों की हथियार निर्माण इकाई को नष्ट कर दिया गया था। देशमुख ने कहा कि अच्छी रणनीति एवं बल प्रयोग के चलते जवानों को सफलता मिल सकी। उन्होंने कहा कि इस तरह के अभियान से बड़े स्तर पर नक्सलियों की गतिविधियों को कम करने में सहायता मिलेगी।

नीतीश ने किया किनारा : गिरिराज सिंह के बयान पर बोले– उन्हीं से पूछें कि मारने की बात कहना उचित है?

संवाददाता

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के विवादित बयान पर कोई सीधी प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। पत्रकारों से उन्होंने कहा कि आप उन्हीं से पूछिए कि क्या 'मारने की बात' कहना उचित है? बता दें गिरिराज सिंह ने शनिवार को बेगूसराय में कृषकों को संबोधित करते हुए विवादित बयान दिया था। उन्होंने कृषक प्रशिक्षण समारोह में कहा कि जो भी सरकारी अधिकारी किसानों की बात व शिकायतें नहीं सुनते हैं उन्हें बेंत से मारिए। हम उनसे न तो नाजायज काम करने को कहते हैं और न ही हम उनके नाजायज काम बर्दाश्त करेंगे। किसी अधिकारी ने नाजायज काम का नंगा नृत्य किया तो उसे सहन नहीं करेंगे। सिंह शनिवार को बेगूसराय के खोदावंदपुर कृषि विज्ञान केंद्र में जलवायु अनुकूल खेती सह कृषक प्रशिक्षण समारोह के उद्घाटन के लिए पहुंचे थे। कार्यक्रम के दौरान जब केंद्रीय मंत्री सिंह मंच पर बैठे थे तभी श्रोताओं में मौजूद कुछ लोगों ने उनसे अधिकारियों द्वारा कार्य नहीं किए जाने की शिकायत की। सिंह को कुछ लोगों ने शिकायतें भी सौंपी।

उच्च न्यायाय ने पशु कल्याण निकाय का निलंबन रद्द किया

मुंबई। बम्बई उच्च न्यायालय ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड के पिछले साल के उस आदेश को रद्द कर दिया है जिसमें बोर्ड ने स्थानीय 'यूनिवर्सल एनिमल वेलफेयर सोसाइटी' की मान्यता को निलंबित कर दिया था और इसके नसबंदी केंद्र को बंद करने का निर्देश दिया था। न्यायमूर्ति अमजद सईद एवं न्यायमूर्ति माधव जामदार की खंडपीठ ने दो मार्च को यह फैसला दिया और बोर्ड के आदेश को रद्द कर दिया। उच्च न्यायालय ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड को पहले वेलफेयर सोसाइटी को कारण बताओ नोटिस जारी करने और उसका पक्ष सुनने का आदेश दिया। सोसाइटी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुये अदालत ने यह फैसला दिया। याचिका में सोसाइटी ने 14 दिसंबर 2020 के बोर्ड के उस फैसले को चुनौती दी थी जिसमें याचिकाकर्ता की मान्यता को निलंबित कर दिया गया था और मलाड स्थित केंद्र बंद करने का निर्देश दिया था। बोर्ड को बंध्याकरण कार्यक्रम के दौरान सोसाइटी के केंद्र में पशुओं और आवारा कुत्तों के साथ कथित क्रूरता किये जाने तथा उचित तरीके से इलाज नहीं किये जाने की शिकायत मिली थी। इसके बाद निलंबन एवं केंद्र को बंद किये जाने का निर्देश जारी किया गया था।

fresh &easy
GENERAL STORE

ALL TYPES OF SAUDI DATES AVAILABLE
SPECIALIST IN:
DRY FRUITS
& MANY MORE ITEMS AVAILABLE HERE
Fast & Free DELIVERY
ADDRESS + 91 8652068644 / + 91 7900061017
Shop No. 18, Parabha Apartment, Sejal Park, Beside Oshiwara
Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलडाणा हलचल

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नगर अध्यक्षा नजमुन्नीसा मो.सज्जाद ने दिया महिलाओं को संदेश

संवाददाता/असफाक युसुफ

बुलडाणा। न.पा नगरध्यक्षा नजमुन्नीसा मो. सज्जाज इन्होने महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को संदेश देते हुए कहा के, एक महिला पत्नी, बहन और बेटी भी होती है। शिक्षित होना महिला के लिए एक हथियार है। जो इस का उपयोग उनके परिवार और समाज के लिए किया जाता है। महिलाओं की शिक्षा से दूरी देश और समाज के लिए यह दुर्भाग्य की बात है। एक पढ़ी-लिखी महिला अपने परिवार की अच्छी देखभाल कर सकती है। इसके अलावा, वह आर्थिक गतिविधियों में भाग लेकर

अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने का प्रयास करती है। मैं शहर की एक नगरध्यक्षा हूं, उन्होंने बताया के जितना उन्हे एक महिला होने पर गर्व है। उतना फक्र तो आज तक नगरध्यक्षा बनने का भी नही हुवा। मैंने जीवन में शिक्षा हासिल कि और अपनी काबिलियत को पहचान कर इसे सही जगह इस्तेमाल किया और आज भी कई महिलाएं काबिल होने के बावजुद केवल मौके का इंतजार करती है। उन्होंने कहा के शहर में विकास कार्यों के अलावा महिलाओं को सशक्त बनाने की कोशिश की जा रही है। नगरध्यक्षा नजमुन्नीसा ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लड़कियों से अपील की सर्वश्रेष्ठ शिक्षा हासील करे ताके समाज कि पिडीत महिलाओं कि सेवा का स्त्रोत बनें।

कोविड नियंत्रण के लिए कॉर्टेक्ट ट्रेसिंग को बढ़ाकर परीक्षणों की संख्या बढ़ाएं: विभागीय आयुक्त पियुष सिंग

बुलडाणा। कोरोना बीमारी फिर से उभर आई है। संभाग के जिलों में पिछले कुछ दिनों में कोविड रोगियों की संख्या में वृद्धि हुई है। हालांकि, संक्रमित रोगी के करीबी और बाहरी संपर्क में व्यक्ति को ट्रेस करके कोरोना कि जांच किया जाना चाहिए। डिवीजनल कमिश्नर पीयूष सिंग ने आज कहा कि कोविद के नियंत्रण के लिए कॉन्ट्रैक्ट ट्रेसिंग बढ़ाकर कोविद परीक्षणों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। कोविद की समीक्षा बैठक संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट के हॉल में आयोजित की गई। संभागीय आयुक्त समीक्षा के दौरान बोल रहे थे। जिल्हाधिकारी एस रामामूर्ती, जि.प मुख्य कार्यकारी अधिकारी भाग्यश्री विसपुते, जिल्हा पोलीस अधिक्षक अरविंद चावरीया, जिल्हा शल्य चिकित्सक डॉ. नितीन तडस, जिल्हा आरोग्य अधिकारी डॉ. कांबळे, अप्पर जिल्हाधिकारी आदि उपस्थित थे। जिले के सभी तालुकों में स्वैब की दर बढ़ाने का आदेश देते हुए, संभागीय आयुक्त ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वैब की

दर भी बढ़ाई जानी चाहिए। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क से किसी को भी नहीं छोड़ा जाना चाहिए। संक्रमित मरीजों को केवल कोविड केयर सेंटर में भर्ती किया जाना चाहिए। होम आयसोलेशन की सुविधा को बंद रखा जाना चाहिए। होम कॉरंटाईन के साथ रोगियों के हाथों पर होम कॉरंटाईन प की मुहर लगाई जानी चाहिए। ताकि यह देखा जा सके कि प्रभावित रोगी बाहर घूम रहा है या नहीं। जिन रोगियों मेंवर्गीकरण की स्वतंत्रता की एक अलग व्यवस्था रखते है।अगर इस तरह के रोगियों को होम इन्सुलेशन दिया जाता है, तो अलगाव की तारीख के साथ एक स्टिकर उनके घर पर चिपका दिया जाना चाहिए। कोविद केयर सेंटर में सभी सुविधाएं होनी चाहिए। भोजन की गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए, स्वच्छता पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। पुरानी बीमारियों से पीड़ित रोगियों की साप्ताहिक जांच की जानी चाहिए। टीकाकरण की समीक्षा करते हुए, संभागीय आयुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य प्रणाली में सभी को टीका लगाया जाना चाहिए। सुपर स्प्रेडर के कोविड परीक्षणों को अनिवार्य किया जाना चाहिए। सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों और कर्मचारियों के नियमित कोरोना जांच किए जाने चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर, सभी को मास्क ईस्तेमाल चाहिए, सामाजिक डस्टिंग के नियमों का पालन करना चाहिए और अपने हाथों को अक्सर धोना चाहिए। मास्क नहीं पहनने वालों पर सख्त कारवाई करनी चाहिए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। संभागीय आयुक्त ने पॉझीटीव्ही रेट, मृत्यु दर, ऑक्सीजन बिस्तर, आईसीयू बिस्तर आदि की भी समीक्षा की।

समस्तीपुर हलचल

दो पिस्टल दस कारतूस के साथ पुलिस ने युवक को किया गिरफ्तार

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। नगर थाना को गुप्त सूचना मिली की शहर के पटेल मैदान के पास एक युवक किसी घटना को अंजाम देने के फिराक में है। सूचना प्राप्त होते ही नगर थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अरुण कुमार राय ने एक टीम गठित कर सअनि अनिल कुमार सिंह, सिपाही चंदन कुमार, सिपाही विनोद कुमार, सिपाही अकेंद्र कुमार के साथ सत्यापन एवं कार्रवाई करने के लिए पटेल मैदान के पास पहुंचे, पुलिस को देखते ही एक युवक भागने लगा जिसे उक्त टीम ने किसी तरह पकड़ने में सफलता पाई। पूछताछ करने पर गिरफ्तार युवक ने अपना नाम अभिषेक कुमार पिता का नाम राजेंद्र राय ग्राम जितवारपुर निजमात वार्ड संख्या 5 निवासी बताया। गिरफ्तार युवक से तलाशी लेने पर उसके पास से दो पिस्टल, दस जिंदा कारतूस और एक मोबाईल बरामद किया। बता दें की मुफस्सिल नगर थाना क्षेत्र के कांड संख्या 49/21 के मामले में उदभेदन हेतु गिरफ्तार बदमाशों से पूछताछ भी किया जा रहा है। इस बात की पुष्टि आज नगर थाना में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान सदर डीएसपी प्रीतीश कुमार ने की। उन्होंने बताया कि अभिषेक कुमार के साथ दिनांक 4 मार्च 2021 को प्रकाश कर्ण ने अन्य साथियों के साथ मारपीट किया था। इसी मामले का बदला लेने अभिषेक कुमार आया था। बहरहाल पुलिस की तत्परता से एक बड़ी घटना होने से बचा लिया गया। डीएसपी ने बताया कि इसे किसने हथियार और किस इरादे से दिया इससे पूछताछ की जा रही है। हथियार प्राप्ति के श्रोत कि छानबीन की जा रही हैं, साक्ष्य के अनुसार उस पर भी कार्रवाई की जाएगी।

गृह रक्षा वाहिनी के जवानों को वेतन, भत्ता नही मिलने से भुखमरी की समस्या

समस्तीपुर। ताजपुर प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत ताजपुर रेफलर अस्पताल में पदस्थापित गृह रक्षा वाहिनी का जवानो ने एक लिखित आवेदन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को दिया है। जिसमें गृह रक्षा वाहिनी के जवानों ने एक लिखित आवेदन दिया है। जिसमे गृह रक्षा वाहिनी के जवानों को विगत 13 महीनों से वेतन और भत्ता नही मिलने से उनके परिवार में भुखमरी की समस्या उत्पन्न हो गयी है। इस सम्बंध में चिकित्सा पदाधिकारी के नाम एक आवेदन में कहा कि बहुत दुःख और अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि हमलोगों का वेतन और भत्ता विगत 13 महीनों से लंबित है। परिवार भूखमरी के कगार पर पहुँच गया है। बच्चों के स्कूल फीस से लेकर दवा वगैरह तक करवाना मुस्किल हो गया है। परिवार आर्थिक संकट में फंस गया है। परिवार चलाने के लिए कोई विकल्प नजर नही आ रहा है। आर्थिक संकट के कारण मेरे तथा मेरे परिवार के सामने घोर संकट उत्पन्न हो गया है। पीड़ित लोगों में मोहन कुमार चौधरी, अरविंद कुमार झा, राधे श्याम महतो, उपेंद्र भगत, कौशल सिंह, दीप नारायण राय, संतोष कुमार, उमेश शर्मा, अनिल कुमार झा आदि गृह रक्षा वाहिनी के जवानों ने हस्ताक्षर युक्त आवेदन चिकित्सा पदाधिकारी रेफलर अस्पताल ताजपुर को दिया है। अब देखना है इन जवानों की समस्या का समाधान कबतक हो पाता है।

रॉयल आयोजक नितिन झगरे ने सुनील भोसले को दी बधाई

पुणे। महाराष्ट्र के सबसे यशस्वी ऑर्गनायझर द रॉयल के आयोजक नितिन झगरे ने सुनील न्यानदेव भोसले, ऑल इंडिया मराठी फिल्म प्रोड्यूसर्स फेडरेशन, महाराष्ट्र राज्य, संपादक, एकता न्यूज 24, और मारवाड़ा केसरी,अमीर खुसरो टाइम्स, हिंदू सम्राट द्वारा सम्मानित किया गया है ईस लिये शुभकामनाये दी। पत्रकारिता के माध्यम से, सुनील भोसले ने गरीबों और पीड़ितों को न्याय दिलाने का काम किया। निर्देशक नीरज जैन सुनील भोसले को एक अनुकरणीय पत्रकार के रूप में सम्मानित करेंगे। राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार समारोह का आयोजन राइजिंग स्टे, साहित्य, कला और मानव उत्थान समिति, जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश में किया जाता है। उन्हें रॉयल टीम द्वारा उनके भविष्य के प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें ब्रँड अम्बेसिडर रेणुकताई ठाणगे, वकील सुरेखा भोसले, अभिनेत्री सरोज गजभिए, मॉडेल जान्हवी पाटिल,मॉडेल नेहा जाधव,मॉडेल निशा शिंदि, ऐक्ट्रेस काजल पठाण, ऐश्वर्या कुटे, आदिती कदम, स्नेहा झोरे, रोहित शिंदि, सूरज कुमार, साईप्रसाद ने शुभकामनाएं दीं।

सफल अभिनेत्री एवं मॉडल बनकर अपने माता-पिता का नाम रोशन करना चाहती हुं : क्षमा मिश्रा

क्षमा मिश्र बाँके बिहारी मिश्र, जिलाः-सबलगढ़ (म०प्र०), मेरी हाइट 5 फुट 4 इंच है। मुझे पहली बार राइजिंग स्टे स्टार साहित्य कला एवं मानव उत्थान समिति द्वारा इस प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिला। जिससे मैं अपनी काबिलियत को परख सकी और इस मॉडलिंग की प्रतियोगिता को जीतकर प्रिंसेस ऑफ ग्वालियर का खिताब हासिल कर सकी। मैं तहेदिल से धन्यवाद करती हुं नीरज जैन सर का जिन्होंने मुझे सही मार्गदर्शन प्रदान कर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। मैं अपने परिवार जनों एवं अपने मित्रों के सहयोग का भी धन्यवाद करती हूं। मैं एक सामान्य परिवार से हूं मेरे पिताजी एक सामान्य व्यापारी एवं मेरी मां एक कुशल ग्रहणी है। मेरा पूरा परिवार मुझे हमेशा से ही सहयोग करता आया है। मुझे बचपन से ही एक्टिंग एवं मॉडलिंग में अधिक रुचि रही है। अभी मैं 20 साल की हूं मैं पढ़ाई के साथ-साथ अपनी इस कला को भी आगे बढ़ते हुए देखना चाहती हूं। मैं भविष्य में एक सफल अभिनेत्री एवं मॉडल बनकर अपने माता-पिता का नाम रोशन करना चाहती हुं।

नहीं है जनता के पास आम आदमी पार्टी के सिवाय कोई दूसरा बिकल्प

पार्टी संरक्षक श्री रूपचन्द्र जैन ने बताया की बर्तमान परिस्थिति मे नगर निगम चुनाब के लिए जन हित मे आम आदमी पार्टी सर्बथा उपुक्तत पार्टी है जो आम हित के साथ साथ नगरीय ब्यबस्था मे सुधार स्वछता पेयजल आदि-आदि समस्याओ का सहज रूप मे निराकरण करने के लिए सार्थक सिद्ध होंगी।

मधुबनी हलचल

केवटी प्रखंड के कोयलास्थन सेंट्रल बैंक के सामने हुआ भयानक हादसा, सामने से आर ही ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। बताया जा रहा है कि युवक (मो० अरशद उम्र 20 साल पिता अब्दुल मलिक) कोयलास्थान का रहने वाला है। और वो किसी निजी काम से दरभंगा की तरफ जा रहा था वो अपने घर से निकल कर रोड पर पहुंचा ही था के दिल्लीमोर की तरफ से आरही ट्रक (BR01GC,4840) ने उसे अपने चपेट में ले लिया। और मौके पर ही उनकी मृत्यू हो गई। ग्रामीणों का कहना है की स्पीड ब्रेकर ना होने की वजह से ये हादसा आए दिन हो रहा है। जिलाधिकारी DM Office, Darbhanga - Bihar दरभंगा से निवेदन है कि अविलंब आबादी वाले इलाके में ब्रेकर बनवाए ताकि बेकसूरों की जान जाने से बच सके। साथ ही तेजरफ्तार और बेकाबू स्पीड लिमिट को लांघ कर गाड़ी चलाने वाले ड्राइवर की गिरफ्तारी कर कानूनी कार्यवाही की जाए और सड़क किनारे स्पीड लिमिट का जहाँ भी बोर्ड नहीं है वहाँ भी अविलंब बोर्ड लगवाया जाए। अगर एक हफ्ते के अन्दर इन सभी मांगों को पूरा नहीं किया जाता है तो केवटी जयनगर पथ एन० एच० 527 बी को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया जायेगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

फेसवॉश से चेहरा धोने पर हो सकते हैं ये नुकसान

ज्यादातर लोग चेहरा धोने के लिए फेसवॉश या साबुन का ही इस्तेमाल करते हैं। इसका यूज करने से चेहरे से धुल-मिट्टी और ऑयल तो आसानी से निकल जाता है। मगर इस में कैमिकल और कई रसाइनिक तत्व होते हैं। जो त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं! इससे त्वचा रूखी-बेजान हो सकती है। इससे कई बार चेहरे की रंगत भी खराब हो जाती है। फेसवॉश की जगह पर किचन में मौजूद चीजों का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। इनका इस्तेमाल करने से चेहरा भी साफ हो जाता है और स्किन खराब भी नहीं होती।

1. दूधं

चेहरे को धोने के लिए कच्चे दूध का इस्तेमाल करें। इसको चेहरे पर लगाने से डैड स्किन साफ हो जाती है। इसके साथ ही चेहरे पर नमी भी बनी रहती है।

2. चीनी

चीनी का यूज भी चेहरा धोने के लिए किया जा सकता है। चीनी का उपयोग करने के लिए उसको पीस लें। फिर चेहरे पर लगाएं। आप चाहे तो चीनी मे एलोवेरा मिक्स करके भी लगा सकते हैं।

3. पपीता

पपीते में कैरोटेनॉएड्स और विटामिन होते हैं जो नैचुरल क्लींजर की तरह काम करते हैं। इसे चेहरे पर लगाने से रंगत में निखार आता है। पपीते के टुकड़ों में शहद मिलाकर हल्के हाथों से चेहरे की मसाज करें। इससे चेहरा साफ होने के साथा ही झाइयां भी दूर होंगी।

4. शहद

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए शहद का इस्तेमाल करें। शहद एक प्राकृतिक क्लीनिंग एजेंट है, जिसे सकिन हमेशा हाइड्रेट रहती है। इसका इस्तेमाल करने से चेहरे के पोर्स से गंदगी हटती है।

5. नारियल तेल

ज्यादातर लड़किया मेकअप हटाने के लिए मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल करती हैं। आप नारियल तेल से भी मेकअपको हटा सकती है। इससे त्वचा की नमी बनी रहती है और रोम छिद्रों में मौजूद गंदगी भी साफ हो जाती है।

6. नींबू

चेहरे पर चमक लाने के लिए नींबू का इस्तेमाल करें। चेहरे पर नींबू लगाएं और बाद में पानी से धोलें। इससे चेहरे पर चमक आएगी।

7. एप्पल साइडर विनेगर

1 चम्मच एप्पल साइडर विनेगर में 2 चम्मच पानी डालकर मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाने से मुंहासों की समस्या से छुटकारा मिलता है। एक बात का ध्यान रखें कि इसका ज्यादा इस्तेमाल करने से त्वचा में रूखापन आ जाता है। ऐसे में हफ्ते में एक बार ही इसका प्रयोग करें।

शंख बजाने से मिलते हैं सेहत को ये 5 बड़े फायदे

मंदिरों में पूजा-पाठ के समय शंख बजाया जाता है। इसका बहुत खास महत्व है लेकिन आप जानते हैं यह सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। इसे घर में रखने से नकरात्मक ऊर्जा नहीं आती। इसे बजाने से जीवाणुओं का नाश होता है और शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। शंख में कैल्शियम और फॉस्फोरस के अलावा कई मिनरल्स पाए जाते हैं जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इसमें पानी रख कर पीने से रोगों से छुटकारा मिलता है। आयुर्वेद के अनुसार शंख बजाने से भी कई रोगों से बचा जा सकता है। इससे मूत्राशय, पेट का निचला हिस्सा, डायाफ्राम, छाती और गर्दन की एक्सरसाइज हो जाती है। आइए जानिए किन-किन समस्याओं में फायदेमंद है शंख बजाना।

1. फेफड़ों के रोग करें खत्म

शंख बजाने से चेहरे, श्वसन प्रणाली, श्रवण तंत्र तथा फेफड़ों की बहुत बढ़िया एक्सरसाइज होती है। जिन लोगों को सांस संबधी समस्याएं है, उन्हें शंख बजाने से छुटकारा मिल सकता है। हर रोज शंख बजाने वाले लोगों को गले और फेफड़ों के रोग नहीं होते। इससे स्मरण शक्ति भी बढ़ती है।

2. हड्डियों को करें मजबूत

शंख में कैल्शियम, गंधक और फास्फोरस काफी मात्रा में पाए जाते हैं। यह तत्व हड्डियों को मजबूत करने के लिए बहुत जरूरी होते हैं। इसलिए शंख में रखें पानी के सेवन करें। इससे दांतो को भी फायदा मिलता है।

3. हार्ट-अटैक से बचाए

शंख की आवाज हृदय रोगियों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसे सुनने से हार्ट-अटैक की संभावना कम होती है।

4. गुदा और प्रोस्टेट

शंख बजाने से गुदा और प्रोस्टेट सिस्टम पर सीधा असर पड़ता है। इससे गुदा की मासपेशिया मजबूत होती है और पाइल्स से छुटकारा मिलता है। इसके अलावा पुरूषों को प्रोस्टेट संबंधी बीमारियां नहीं होती।

5. स्किन प्रॉब्लम से मिलें छुटकारा

स्किन प्रॉब्लम जैसे एलर्जी, रैशेज, सफेद दाग के लिए शंख का पानी बहुत फायदेमंद है। रात को शंख में पानी भर कर रख दें और सुबह इस पानी से स्किन की मसाज करें।

ये 6 लक्षण करते हैं लंग कैंसर की ओर इशारा!

लंग कैंसर एक जानलेवा बीमारी है। जरूरी नहीं यह केवल स्मोकिंग करने वालों को ही होती है अगर आपके पास कोई स्मोकिंग करता है तो उसका धुआं आपके तक पहुंचता है जिससे आप भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। आज हम आपको लंग कैंसर के बारे में बताने वाले हैं यह फेफड़ो से शुरू होकर पूरी बॉडी में फैल जाता है लेकिन इसके फैलने से पहले हमारे शरीर में कुछ लक्षण देखने के मिलते हैं जिस पर ध्यान देकर इसे शरीर में फैलने से रोक सकते हैं।

1. अगर आपके गर्दन या फेस पर लगातार सूजन रहती है तो इसे इग्नोर न करें। जल्दी ही डॉक्टर से चैक करवा करवाएं। यह लंग कैंसर का संकेत हो सकता है।
2. शरीर हर वक्त थका-थका रहना और सुस्ती पड़ी रहना।
3. लंबे समय से खांसी रहना और कभी-कभी कफ में खून आना। इस बीमारी के लक्षण है।
4. रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन और निमोनिया बार-बार होना और सांस लेने में तकलीफ होना। इसके साथ ही सीने में दर्द रहना।
5. भोजन खाते समय तकलीफ होना।
6. सिर दर्द रहना और बार-बार बुखार उतरना-चढ़ना।

जिद्दी से जिद्दी मस्से से भी मिलेगा आसानी से छुटकारा

स्किन पर काले या भूरे रंग के मस्से होना नैचुरली है। अगर यह खास करके चेहरे पर हो तो खूबसूरती को बिगाड़ देते हैं। इनका साइज छोटे बिंदु से लेकर मक्की के दाने के आकार जितना होता है। बड़े आकार के मस्से देखने में बहुत बुरे लगते हैं। कुछ लोग इन्हें हटाने के लिए सर्जरी या फिर लेजर करवाते हैं। जिससे उन्हें बहुत दर्द सहना पड़ता है। अगर आप बिना दर्द के इससे छुटकारा पाना चाहते हैं तो घरेलू उपायों का सहारा ले सकते है। आज हम आपको ऐसे घरेलू उपाय बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके कुछही दिनों में इससे राहत पाएंगे।

1. केले का छिलका

मस्से हटाने के लिए केले का छिलका बहुत कारगार उपाय है। इसमें ऑक्सीकरण रोधी तत्व पाए जाते हैं जो इसे हटाने में मदद करते हैं। इस इस्तेमाल करने के लिए केले के छिलके को मस्से पर 24 घंटें तक बंधा रहने दें। इस उपाय को कुछ दिन करने से मस्सों से छुटकारा मिलेगा।

2. सेब के सिरका

सेब के सिरके में मस्सों को जीवणुओं को मारने की शक्ति होती है। इस से मस्से झड़ते नहीं बल्कि धीरे-धीरे जलने लगते हैं। इसे रोजाना कॉटन से मस्से पर लगाएं और एक ही सप्ताह में फर्क नजर आने लगेगा।

3. शहद

मस्सों को हटाने के लिए शहद भी काफी फायदेमंद है। इसे प्रयोग में लाने के लिए शहद को मस्से पर लगा कर 10-12 घंटे के लिए इसे डॉक्टर टेप से ढक्कर रखें और बाद में इसे उतार दें। इस उपाय को 15 दिन करने के बाद आपको फर्क दिखने लगेगा।

4. प्याज का रस

मस्सों के लिए प्याज का रस रामबाण उपाय है। इसे 20 से 30 दिन तक मस्से पर लगाएं और जब भी समय मिलें प्याज को काटकर मस्सों पर रगड़ें। इसे प्रक्रिया को दिन दो-तीन बार करें। इससे मस्से जड़ से खत्म हो जाते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एली अवराम संग इश्क फरमाएंगे आमिर खान

बॉलिवुड ऐक्टर आमिर खान अपनी बेहतरीन ऐक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। काफी दिनों से स्क्रीन से दूरी बनाए आमिर खान को एक बार फिर दर्शकों के बीच रोमांटिक अंदाज और नए लुक में नजर आने वाले हैं। दरअसल, टी-सीरीज ने फिल्म 'कोई जाने ना' के गाने -हरफनमौला की झलक सोशल मीडिया पर दिखाई है। इस गाने में उनके साथ एली अवराम नजर आने वाली हैं। टी-सीरीज ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट फिल्म 'कोई जाने ना' के गाने 'हरफनमौला' का लुक शेयर किया है। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि आमिर खान ने एली अवराम को बाहों में लिया हुआ है। इस गाने में आमिरा खान और एली अवराम रोमांस करने करते नजर आने वाले हैं।

शादी के लिए बेताब हैं शमिता शेट्टी

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस शमिता शेट्टी सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने से जुड़े अपडेट्स फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। फिल्मों से दूरी बना चुकी शमिता शेट्टी हाल ही में वेब सीरीज 'ब्लैक विडोज' में नजर आई थीं। ऐक्ट्रेस ने अब अपनी शादी को लेकर बात की है और शादी को लेकर अपनी समस्या को भी बताया है। शमिता शेट्टी ने कहा कि वह शादी तो करना चाहती हैं लेकिन उनकी राह में एक अड़चन है। शमिता शेट्टी ने कहा, मैं शादी करना चाहती हूं लेकिन नहीं जानती मेरा दुल्हा कहां है। वह कहीं है, और उसे मुझे ढूंढना होगा। मैं अपनी दिल की बात किसी से छिपाती नहीं हूं और यही वजह है कि मैं हमेशा मुश्किल में आ जाती हूं लेकिन प्रेम में मेरा पूरा भरोसा है। 42 वर्षीय शमिता शेट्टी ने आगे बताया, इन दिनों समाज और शादियों में क्या हो रहा है। यह डराने वाला है। अगर मैं किसी से शादी करना चाहती हूं, तो मैं चाहूंगी कि मैं उस इंसान के साथ ताउम्र रहूं लेकिन मैं अभी तक ऐसे किसी शख्स से नहीं मिली जिसके साथ अपनी जिंदगी बिताना चाहूं।

इलियाना बोलीं– एक समय आइने में खुद को देख करती थी नफरत

साउथ की फिल्मों के बाद बॉलिवुड फिल्मों में धमाल मचा रहीं ऐक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज न केवल अपने फैन्स के साथ खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो शेयर करती हैं बल्कि वह कई बार सोशल मीडिया पर बेहद अच्छे और पावरफुल मैसेज भी शेयर करती रहती हैं। इलियाना अपनी सेहत और बॉडी को लेकर काफी सजग रहती हैं और इसीलिए वह फिजिकल हेल्थ के अलावा मेंटल हेल्थ पर भी बात करती हैं। हाल में उन्होंने बॉडी डिस्मॉर्फिया पर बात की है। हाल में एक एंटरटेनमेंट पोर्टल से बात करते हुए इलियाना बताया कि एक समय पर वह भी बॉडी डिस्मॉर्फिया से जूझ रही थीं। यह एक ऐसी मानसिक बीमारी होती है जिसमें व्यक्ति को अपने शरीर में बहुत सारी खामियां या कमियां दिखने लगती हैं और धीर-धीरे व्यक्ति बेहद इनसिक्योर हो जाता है। इलियाना ने इस बारे में बात करते हुए कहा कि व्यक्ति को अपनी हर छोटी-बड़ी चीज को स्वीकार करना चाहिए ताकि वह खुद को मजबूत और खूबसूरत फील करें। काफी पहले इलियाना ने सोशल मीडिया पर भी इसके बारे में लिखा था। इलियाना ने अपनी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, "मुझे हमेशा इस बात की चिंता रही है कि मैं कैसी दिखती हूं। मैं इस बात से चिंतित रहती थी कि मेरे हिप्स बहुत चौड़े हैं, मेरी जांघें टेढ़ी हैं, मेरी जितनी पतली होनी चाहिए उतनी नहीं है, मेरा पेट फ्लैट नहीं है, मेरे बूब्स साइज में छोटे हैं, मेरे बट्स साइज में बड़े हैं, मेरी बाहें खूबसूरत नहीं हैं, नाक बिल्कुल सीधी नहीं है, लिप्स छोटे हैं...मुझे चिंता रही है कि मैं जरूरत के मुताबिक लंबी भी नहीं हूं, मैं उतनी सुंदर नहीं हूं, उनती मजाकिया नहीं हूं, स्मार्ट नहीं हूं, परफेक्ट नहीं हूं।